Self Respect

26-06-2014

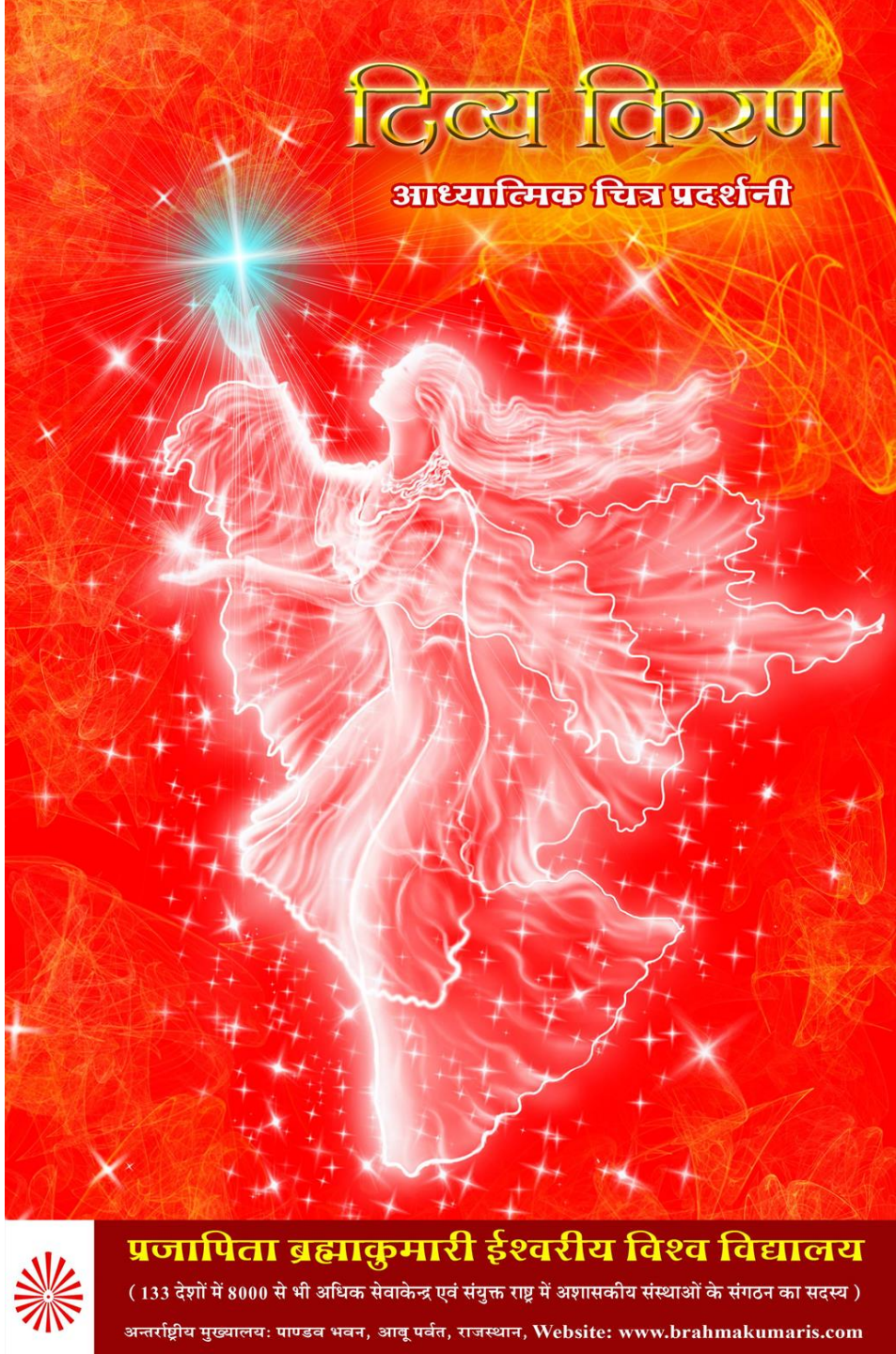

- ✓मै तुम्हारा सुप्रीम बाप भी हूँ, सुप्रीम टीचर भी हूँ, सुप्रीम गुरू भी हूँ ।
- ✓यह बेहद का बाबा है । बाबा कहते हैं मामेकम् याद करो । अपने को आत्मा समझो तो बेड़ा पार है । याद करते-करते पवित्र दुनिया में पहुँच ही जाना है ।
- ✓जैसे मसाला कूट-कूट कर एकदम महीन बनाया जाता है ना । तुम ईश्वरीय मिशन हो, तो अच्छी रीति एक-एक बात बुद्धि मे बिठानी है क्योंकि बाप को न जानने कारण सब निधनके बन पड़े है । परिचय देना है-बाबा सुप्रीम बाप है, सुप्रीम टीचर, सुप्रीम गुरू है । तीनो ही कहने से फिर सर्वव्यापी की बात बुद्धि से निकल जायेगी ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
(133 देशों में 8000 से भी अधिक सेवाकेन्द्र एवं संयुक्त राष्ट्र में अशासकीय संस्थाओं के संगठन का सदस्य)
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पाण्डव भवन, आबू पर्वत, राजस्थान, Website: www.brahmakumaris.com

✓तुम पैगम्बर हो तो बाप का परिचय देना है । एक भी मनुष्य नही, जिसको यह पता हो कि बाबा हमारा बाप भी है, टीचर और गुरू भी है । बाप का परिचय सुनने से वह बहुत खुश हो जायेगे ।

✓गीता के साथ फिर महाभारत लड़ाई भी दिखाई है । अब और तो कोई लड़ाई की बात ही नही । तुम्हारी लड़ाई है ही बाप को याद करने मे । पढ़ाई तो अलग है, बाकी लड़ाई है याद मे क्योकि सब हैं देह- अभिमानी । तुम अब बनते हो देही- अभिमानी । बाप को याद करने वाले ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
(133 देशों में 8000 से भी अधिक सेवाकेन्द्र एवं संयुक्त राष्ट्र में अशासकीय संस्थाओं के संगठन का सदस्य)
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पाण्डव भवन, आबू पर्वत, राजस्थान, Website: www.brahmakumaris.com

✓शिवबाबा हमको पढाते हैं । बाप तुम बच्चो को भी कहते है चलते, फिरते, उठते बाप को याद करते रहो ।

✓जब तुम बाप की याद में लग जायेगे तब ही तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेगे । फिर तुम्हारी खुशी का पारावार नही रहेगा । इन सब बातो का वर्णन यहाँ होता है इसलिए गायन भी है- अतीन्द्रिय सुख गोप-गोपियों से पूछो, जिनको भगवान् बाप पढाते हैं ।

✓तुम शिव वंशी बन फिर विस्तरी के मालिक बनते हो ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
(133 देशों में 8000 से भी अधिक सेवाकेन्द्र एवं संयुक्त राष्ट्र में अशासकीय संस्थाओं के संगठन का सदस्य)
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पाण्डव भवन, आबू पर्वत, राजस्थान, Website: www.brahmakumaris.com

✓तुम भी प्यार के सागर बनते हो, इसलिए सब पर प्यार रहता है । प्यार ही प्यार । बाप प्यार का सागर है तो बच्चो का भी जरूर ऐसा प्यार होगा, तब वहाँ भी ऐसा प्यार रहेगा ।

✓तुमसे कोई-कोई पूछते है भारत की क्या सेवा करते हो? बोलो, तुम चाहते हो भारत पावन हो, अब पतित है ना, तो हम श्रीमत पर भारत को पावन बनाते है । सबको कहते हैं बाप को याद करो तो पतित से पावन बन जायेंगे । यह हम रूहानी सेवा कर रहे है । भारत जो सिरताज था, पीस प्रासपर्टी थी वह फिर से बना रहे हैं, श्रीमत पर कल्प पहले मुआफिक, ड़ामा प्लैन अनुसार । यह अक्षर पूरे याद करो । मनुष्य चाहते भी है वर्ल्ड पीस हो । सो हम कर रहे है ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
(133 देशों में 8000 से भी अधिक सेवाकेन्द्र एवं संयुक्त राष्ट्र में अशासकीय संस्थाओं के संगठन का सदस्य)
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पाण्डव भवन, आबू पर्वत, राजस्थान, Website: www.brahmakumaris.com

✓कोई पूछे तुम किसके बच्चे हो? बोलो-हम शिवबाबा के बच्चे है । वह निराकार है । ब्रह्मा तन मे आकर हमको पढ़ाते हैं । इस पढाई से ही हमको यह लक्ष्मी-नारायण बनना है ।

✓बाप बैठ कर्म, अकर्म, विकर्म की गति सुनाते हैं । शिवबाबा हमको पढ़ाते है । वही बाप, टीचर, गुरू है ।

✓वरदान:- साइलेन्स के साधनों द्वारा माया को दूर से पहचान कर भगाने वाले मायाजीत भव

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
(133 देशों में 8000 से भी अधिक सेवाकेन्द्र एवं संयुक्त राष्ट्र में अशासकीय संस्थाओं के संगठन का सदस्य)
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पाण्डव भवन, आबू पर्वत, राजस्थान, Website: www.brahmakumaris.com

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चो प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चो को नमस्ते ।